Dr. Madan Paswan
History, Class: B.A. Part-I (Sub.) Paper.
Topic: Mahajanapadas.

Lecture No. 15. (1)
Date: 22.7.20

प्राचीन भारत के सोलह महाजनपद (600-325 ई०पू०)

⊙ बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तरनिकाय के अनुसार छठी शताब्दी ई०पू० में निम्न 16 महाजनपद (क्षेत्रीय राज्य) विद्यमान थे :-

	महाजनपद	राजधानी
1.	काशी	वाराणसी
2.	कुरू	इंद्रप्रस्थ (मेरठ तथा दक्षिण पूर्व हरियाणा क्षेत्र).
3.	अंग	चम्पा (भागलपुर, मुंगेर).
4.	मगध	राजगृह या गिरिव्रज (पटना, गया, शाहाबाद क्षेत्र)
5.	वज्जि	विदेह और मिथिला.
6.	मल्ल	कुशावती (कुशीनारा) - देवरिया, गोरखपुर के क्षेत्र).
7.	चेदि	शुक्तिमती (सोत्थिवती - बुंदेलखण्ड का क्षेत्र).
8.	वत्स	कौशांबी (इलाहाबाद का क्षेत्र).
9.	कोशल	अयोध्या, बुद्धकाल में दो भाग, उत्तरी भाग की राज० श्रावस्ती
10.	पंचाल	उत्तरी पंचाल - अहिच्छत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र).
11.	मत्स्य	विराटनगर (जयपुर के आस-पास के क्षेत्र)
12.	शूरसेन	मथुरा (मैथोरा - सूरसेनाई / सूनानी).
13.	अस्सक	पोतना या पोटली (अश्मक), (गोदावरी क्षेत्र).
14.	अवंति	उत्तरी अवंति - उज्जयिनी, दक्षिणी अवंति - महिष्मती (मालवा क्षेत्र).
15.	गंधार	तक्षशिला (पेशावर के क्षेत्र).
16.	कंबोज	राजपुर या हाटक (उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत).

⊙ जैन ग्रंथ भगवतीसूत्र में दिये 16 महाजनपदों की सूची :-

1. अंग	9. पाढ्य
2. बंग	10. लाढ़
3. मगह (मगध)	11. वज्जि
4. मलय	12. मौलि (मल्ल)
5. मालव	13. कोशल
6. अच्छ	14. काशी
7. वच्छ (वत्स)	15. संभुत्तर
8. कोच्छ	16. अवध

⊙ समकालीन गणतंत्र :-

1. कपिलवस्तु के शाक्य.	4. कुशीनारा के मल्ल.
2. रामग्राम के कोलिय.	5. मिथिला के विदेह.
3. पावा के मल्ल.	6. पिप्पलिवन के मोरिय.

Continue.....

Date: 22.7.20

⊙ यूनानी लेखकों द्वारा उल्लिखित गणतंत्र राज्य :-

1. अद्रेष्टी – इसकी राजधानी पिम्प्रल थी। यह गणराज्य रावी नदी के पास स्थित था।
2. कथ्थान – इसकी राजधानी सकाल थी। यह गणराज्य लाहौर एवं अमृतसर के आस-पास स्थित था।
3. सोफिगाट (सौभूति).
4. सिबोई (सिबी).
5. क्षुद्रक एवं मालव.
6. अग्रसेनी.
7. जथ्रोई.
8. सामबस्ती (अम्बास्था)।

⊙ अशोक के शिलालेख में उल्लिखित गणराज्य :-

1. कंबोज,
2. गंधार,
3. राष्ट्रिक,
4. लोना,
5. कन्नौज,
6. पितिनिक,
7. नाभक,
8. भोज,
9. अपरांत,
10. पर्दी,
11. आन्ध्र।

⊙ महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्दावली :-

संथागार : गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली में प्रतिनिधियों की संस्था को संथागार कहते थे।

शलाकाग्राहपक : विभिन्न रंग की शलाकाओं को एकत्र करने वाला शलाकाग्राहपक (Polling officer) कहलाता था।

महामात्र : राज्य के प्रमुख अधिकारियों का वर्ग महामात्र कहलाता था।

बलि : राजा को उपहार, नजराना, भेंट आदि जो मिलता था, वह बलि कहलाता था।

द्रोणमापक : उपज में राजा के हिस्से की माप करने वाले द्रोणमापक कहलाते थे।

शतघ्नी : एक प्रकार का अस्त्र।

पंचालिका : छोटी राजकुमारियों का खिलौना।

वीटा : राजकुमारों का खिलौना।

Continue ....